स्वर्ण दिल्ली

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 12, अंक 244 नई दिल्ली

बुधवार, 09 अक्टूबर 2024, पृष्ठः 8 मूल्यः 5 रुपये

6-फ्लैगस्टाफ रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास में रहेंगी आतिशी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री आतिशी अब 6-फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगले में रहेंगी। सोमवार को उनका सामान इस बंगले में पहुंचाया गया। उसके बाद वह मुख्यमंत्री आवास पहुंची। वहां के कर्मचारियों से मुलाकात की और उनका परिचय लिया।

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद पिछले शुक्रवार को उन्होंने मुख्यमंत्री आवास खाली कर दिया था। वह अब पंजाब से राज्यसभा सदस्य अशोक मित्तल को आवंटित आवास 5-फिरोजशाह

रोड में रहते हैं।

आतिशी अपने माता-पिता के साथ दक्षिणी दिल्ली के कालकाजी में रह रही थीं। मंत्री के रूप में उनके लिए आवंटित सरकारी आवास एबी-17 बंगले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया रह रहे थे।पिछले सप्ताह उन्होंने भी इसे खाली कर राज्यसभा सदस्य हरभजन सिंह के आरपी रोड पर आवंटित आवास में रहने के लिए चले गए। वहीं, दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने प्रेसवार्ता कर कहा, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा छह सितंबर को मुख्यमंत्री कार्यालय के विशेष सचिव को पत्र लिखकर चाबी सौंपने का अनुरोध किया गया है। इससे स्पष्ट हो गया है कि केजरीवाल ने मुख्यमंत्री आवास खाली नहीं किया था।

दिल्ली में कब होगा मेयर का चुनाव?

सामने आया ताजा अपडेट

नई दिल्ली। अप्रैल 2024 से लंबित चल रहे दिल्ली में महापौर व उप महापौर का चुनाव इस माह हो सकता है। इसके लिए जल्द ही तारीख तय हो सकती है, क्योंकि महापौर बनाने में आड़े आ रही कानूनी अड़चने खत्म हो गई है।

महापौर का चुनाव इसलिए नहीं हो पा रहा था कि क्योंकि तत्कालीन सीएम अरविंद केजरीवाल जेल में थे। ऐसे में महापौर चुनाव के लिए उपराज्यपाल ने पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति करने से इसलिए इन्कार कर दिया था क्योंकि संबंधित फाइल पर सीएम की अनुशंसा नहीं थी।

इसलिए एलजी ने अगले आदेश तक जनहित में महापौर डॉ. शैली ओबेराय को ही काम करने की अनुमति दे दी थी। चूंकि पिछले माह 21 सितंबर को सीएम के तौर पर आतिशी ने शपथ ले ली है इसलिए अब इस माह होने वाली सदन की साधारण सभा में महापौर व उप महापौर का चुनाव हो सकता है।

बीते माह महापौर का चुनाव इसलिए नहीं हो पाया था क्योंकि महापौर ने साधारण सभा के लिए तारीख नए सीएम के शपथग्रहण से पहले ही तय कर दी थी। निगम सूत्रों के मुताबिक चूंकि अब सीएम नई आ गई है और कोई भी अब कानूनी अड़चन नहीं है तो इस माह चुनाव की तारीख और चुनाव कराने की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा।

महापौर व उप महापौर का चुनाव तीसरे वर्ष के लिए हो रहा है इसलिए यह वर्ष अनुसूचित जाति के पार्षद के लिए आरक्षित हैं। इसके लिए अप्रैल में नामांकन की प्रक्रिया

भी पूरी हो चुकी है। शुरुआत में महापौर पद पर दो तो उप महापौर पद पर चार प्रत्याशी थे।

इसी महीने हो सकता है चुनाव

इसमें दो प्रत्याशियों ने नामांकन वापस ले लिया है। इसलिए अब महापौर और उप महापौर पद पर दो-दो प्रत्याशी बचे हैं। चूंकि हर माह निगम की एक साधारण सभा की बैठक अनिवार्य है इसलिए संभवतः इस माह की होने वाली बैठक में महापौर व उप महापौर चुनाव की प्रक्रिया कराई जाए।

इसलिए महापौर चुनाव की तारीख तय होने के बाद महापौर चुनाव के लिए पीठासीन अधिकारी नियुक्ति संबंधित फाइल को पहले दिल्ली सरकार भेजा जाएगा और फिर बाद में सीएम के हस्ताक्षर के लिए भेजी जाएगी और बाद में उपराज्यपाल इसकी मंजूरी दे देंगे।

ऐसे नियुक्त होता है निगम में महापौर चुनाव के लिए पीठासीन अधिकारी

निगम सचिव - कमीश्नर को यह फाइल भेजते हैं।

निगम कमीश्नर- शहरी विभाग के सचिव को फाइल भेजते हैं

शहरी विकास विभाग के सचिव- मुख्य सचिव को फाइल भेजते हैं

मुख्य सचिव - शहरी विकास विभाग के मंत्री को फाइल भेजते हैं

शहरी विकास विभाग के मंत्री- मुख्यमंत्री को यह फाइल भेजते हैं

मुख्यमंत्री - उपराज्यपाल को यह फाइल भेजते हैं।

किसके पास हैं कितने पार्षद

भाजपा-115

आप- 124

कांग्रेस -9

निर्दलीय-1

रिक्त-1

कौन-कौन है महापौर व उप महापौर पद का प्रत्याशी

महापौर पद के लिए

महेश कुमार (आप) - वार्ड संख्या 84,देव नगर

कृष्ण लाल((भाजपा) -वार्ड संख्या 62 , शकुरपुर

उप-महापौर पद के लिए

रवींद्र भारद्वाज (आप) - वार्ड संख्या 41- अमन विहार

नीता बिष्ट (भाजपा) -वार्ड संख्या 247 सादतपुर

जमीन के बदले नौकरी घोटाले में लालू और तेजस्वी समेत 7 को जमानत

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायालय ने जमीन के बदले रेलवे में नौकरी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राजद प्रमुख व पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी व तेज प्रताप यादव समेत सात आरोपितों को जमानत दे दी। आरोपितों को एक-एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर यह राहत मिली है। अगली सुनवाई 25 अक्टूबर को होगी। सुनवाई के दौरान लालू प्रसाद, पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव के साथ-साथ अखिलेश्वर सिंह, उनकी पत्नी किरण देवी व दो अन्य आरोपित अदालत में पेश हुए। लालू को व्हीलचेयर पर लेकर उनकी बेटी मीसा भारती कोर्ट पहुंची थीं। मीसा को पहले ही जमानत मिल चुकी है। तेजप्रताप को इस मामले में पहली बार समन जारी हुआ था। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने आरोपितों को यह देखते हुए सशर्त जमानत दी कि जांच के दौरान उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया था। शर्तें लगाई कि रिहाई पर रहने के दौरान वे साक्ष्य के साथ छेड़छाड़ व गवाहों को प्रभावित नहीं करेंगे। न्यायाधीश ने कहा कि लालू प्रसाद, तेज प्रताप और तेजस्वी के पासपोर्ट पहले ही कोर्ट में जमा हैं। आरोपितों को देश से बाहर जाने के लिए कोर्ट की अनुमति लेनी होगी। अदालत से बाहर आए तेजस्वी ने मीडिया से कहा कि ये सभी केस राजनीतिक साजिश के तहत किए गए हैं। जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया गया है। मुकदमे में कोई दम नहीं है और हमारी जीत तय है। लालू प्रसाद यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्हें अदालत पर भरोसा है। सीबीआई द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर दर्ज मामले में ईडी ने कहा था कि यह मामला 2004 से 2009 तक लालू प्रसाद यादव के रेल मंत्री रहने के दौरान जबलपुर में रेलवे के पश्चिम मध्य क्षेत्र में की गई ग्रुप-डी नियुक्तियों से संबंधित है।

सम्पादक की कलम से

दुनिया में टूट-फूट का नया दौर

आइना टूटे या दिल, पहाड़ टूटे या पेड़ सब अशुभ ही माना जाता है। इसीलिए एक हफ्ते से लगातार टूट रहे शेयर बाजार को भी हम अशुभ ही मानकर चल रहे है। शेयर बाजार का टूटना निवेशकों के लिए शुभ है और न कारोबारियों के लिए। सरकार के लिए तो टूटना बिलकुल शुभ नहीं है। शेयर बाजार के टूटने का सीधा-सीधा मतलब निकाला जाता है की कहीं न कहीं हमारी सरकार टूट रही है। शेयर बाजार के टूटने से ३ दिन में ही ११ लाख करोड़ का चूना लग गया निवेशकों को। हिंदुस्तान हो या पकिस्तान। दुनिया का कोई भी हिस्सा हो इस टूटन से अछूता नहीं है। बीमारी से आम आदमी का जिस्म टूटता। नेताओं की वादा-खिलाफी से मतदाता का दिल टूटता है। दिल नेता ही नहीं, प्रेमी-प्रेमिका भी एक-दूसरे का गाहे-बगाहे तोड़ते ही रहते हैं। वर्षा ऋतु में पहाड़ टूटते है। नदियों के तटबंध टूटते हैं। इसे कहर टूटना कहा जाता है। घर में किसी तस्वीर का फ्रेम हो, या कप-बसी टूटती है तो माँ इसे अशुभ मानती थी। मै तो उन लोगों में से हूँ जो टूट-फुट को शुभ या अशुभ नहीं बल्कि एक नैसर्गिक क्रिया मानते हैं। आपको याद है की 1947 में जब भारत टूटा था और पाकिस्तान बना था, तब असंख्य लोगों के दिल टूट गए थे। इस टूटन को हमारी सरकार और देश की ही नहीं दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी आज भी महसूस करती रहती है। इस टूटन के लिए महात्मा गाँधी को कोसने वालों की कमी नहीं है। आखिर टूटने का दोष किसी पर तो मढ़ा जाना है। इसके लिए महात्मा गाँधी से अच्छा कोई दूसरा नाम हो ही नहीं सकता। 1971 में पाकिस्तान को भी टूटना पड़ा, इसके लिए महात्मा गाँधी नहीं बल्कि श्रीमती इंदिरा गाँधी को जिम्मेदार ठहराया गया। भारत ही नहीं दुनिया में तमाम देश टूटे हैं। कोरिया टूटा, जर्मनी टूटा रूस टूटा, चीन टूटा। टूटने वालों की एक लम्बी फेहरिस्त है। भारत में अतीत में हुई टूट-फूट से नाखुश लोगों ने अयोध्या में एक निर्जीव मकबरे को तोड़कर ही अपना गुस्सा ही नहीं निकाला बल्कि शहीदों में अपना नाम लिखवा लिया। इस इमारत के टूटने से भी करोड़ों के दिल टूटे थे लेकिन किसी ने इस टूटन की आवाज को सुना नहीं। पिछले दस साल में देश में जितने राजनीतिक दल और गठबंधन टूटे उतने पहले कभी नहीं टूटे । राजनीतिक दलों में कांग्रेस न जाने कितनी बार टूटी। समाजवादी दल तो टूटने के लिए ही बना है। सत्तारूढ़ भाजपा भी बीच-बीच में टूटी रहती है लेकिन जल्द ही सम्हल भी जाती है। भाजपा ने तो जिस क्षेत्रीय दल को अपना बगलगीर बनाया उसे किसी न किसी मोड़पर टूटना ही पडा। हाल ही में एनसीपी और शिवसेना टूट कर दो खंड हो चुकी है। गठबंधन तो टूटने के लिए ही बनते है। जैसे भांवर पड़ने के बाद मौर को नदी में विसर्जित कर दिया जाता है उसी तरह गठबंधनों को सरकार बनने के बाद तोड़ दिया जाता है। सिनेमा वाले तो न जाने कितनों का दिल तोड़ते रहते है।

सुषमा शर्मा

टैगोर से दूर जाता बांग्लादेश

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के लिखे अपने ही राष्ट्रगान को बांग्लादेश का वर्तमान शासन अब बदलना चाहता है। यानी अब बांग्लादेश अब उसी राष्ट्र गीत से दूर हो रहा है, जिसे उसने 1972 में अपनी स्थापना के वक्त धूमधाम से अपनाया था। इसकी वजह सिर्फ यही है कि टैगोर हिन्दू थे। अब आप समझ सकते हैं कि भारत के पड़ोसी देश में कठमुल्लों का असर कितना अधिक होता जा रहा है। बांग्लादेश में शेख हसीना वाजेद सरकार का तख्ता पलटने के बाद कठमुल्ले चाहते हैं कि गुरुदेव टैगोर का लिखे राष्ट्रगीत को बदल कर किसी अन्य गीत को देश का राष्ट्र गीत बना दिया जाए। देखिए मुस्लिम-बहुल देशों में गैर-मुस्लिमों को जीवन के किसी भी क्षेत्र में बहुत कम स्पेस मिलता है। उन्हें हर तरह से सभी मायने में दूसरे दर्जें का नागरिक ही माना जाता है। मुस्लिम देशों में राष्ट्रीय पहचान के मुद्दों पर फैसले लेते वक्त धार्मिक नेताओं की पसंद और नापसंद को बहुत अहमियत मिलती है।

वैसे तो बांग्लादेश में, नई सरकार के धार्मिक मामलों के सलाहकार ए.एफ.एम. खालिद हुसैन कह रहे हैं कि बांग्लादेशी के राष्ट्रगान को बदलने की "कोई योजना नहीं" है। सरकार "ऐसा कुछ नहीं करेगी जिससे विवाद पैदा हो। "हालांकि, जन्नत की हकीकत कुछ और है। बांग्लादेश में मौजूदा राष्ट्रगीत को बदलने की मांग जोर पकड़ रही है। बांग्लादेश के राष्ट्रगान"आमार सोनार बांग्ला" ('मेरा स्वर्णिम बंगाल') की धुन बाउल गायक गगन हरकारा के "अमी कोथाय पाबो तारे" से ली गई है, जो दादरा ताल पर आधारित है। इसकी आधुनिक वाद्य प्रस्तुति की व्यवस्था बांग्लादेशी संगीतकार समर दास ने की थी।

दरअसल बांग्लादेश में अब बहुत कुछ अप्रत्याशित सा ही हो रहा है। वहां स्वतंत्रता आंदोलन में लड़ने वाले और उसका विरोध करने वाले एक साथ मिल रहे हैं। देश के राष्ट्रगान को बदलन की मांग अब्दुल्लाहिल अमान आज़मी भी कर रहे हैं। उनके पिता बांग्लादेश की जमाते ए इस्लामी पार्टी के शिखर नेता थे। उन्हें स्वाधीनता आंदोलन के समय पाकिस्तान सेना का साथ देने के कारण फांसी दे दी गई थी। उनके अलावा भी बांग्लादेश में बहुत से असरदार लोगों का कहना है कि उनके देश में एक हिन्दू के लिखे गीत को राष्ट्रगीत के रूप में थोपा गया। इसे बदला जाना ही चाहिए। इस तरह की मांग करने वालों में कर्नल ओ. अहमद और कर्नल राशिद चौधरी भी शामिल हैं, जो देश के संस्थापक मुजीब उल रहमान की 1975 में हुई हत्या की साजिश में दोषी ठहराए गए थे। यह दोनों अब कनाडा में रह रहे हैं।

गुरुदेव टैगोर को हिन्दू कवि कहने वाले अज्ञानी भूल रहे हैं कि वे मूल रूप से पूर्वी बंगाल से ही थे जो अब बांग्लादेश बन गया है और उनके परिवार की वहां प्रचुर संपत्तियां थीं। बांग्लादेश में क़ाज़ी नज़रुल इस्लाम जैसे महान बांग्ला कवि को भी खारिज किया जा है क्योंकि उन्होंने हिन्दू देवी- देवताओं की स्तुति में लिखा है। बांग्लादेश में ऐसे गीत की मांग हो रही है जिसमें "दूसरी स्वतंत्रता" का उल्लेख हो। बांग्लादेश में यूएनआई न्यूज एजेंसी के संवाददाता के रूप में काम कर चुके वरिष्ठ पत्रकार और संपादक महेन्द्र वेद बताते हैं कि बांग्लादेश में राष्ट्रगान बदलने की मांग शेख मुजीब की अगस्त 1975 की हत्या के तुरंत भी बाद शुरू हुई थी। राष्ट्रपति खोंडकर मुश्ताक अहमद ने एक समिति का गठन किया जिसने राष्ट्रगान को क़ाज़ी नज़रुल इस्लाम या फ़ारूख अहमद के लिखे गीतों से से बदलने का प्रस्ताव रखा था। हालाँकि, उस वर्ष नवंबर में खोंडकर के हटाए जाने के बाद यह पहल पूरी नहीं हुई।

राष्ट्रपति जिया उर रहमान के नेतृत्व में, 'राष्ट्रवादियों' ने "एक अधिक बांग्लादेश-केंद्रित राष्ट्रगान" को अपनाने की मांग की। 1979 में, कैबिनेट को भेजे गए एक पत्र में, तत्कालीन प्रधान मंत्री शाह अजीजुर रहमान, जो मुस्लिम लीग के पूर्व नेता थे, ने तर्क दिया कि अमार सोनार बांग्ला "राष्ट्रीय पहचान और संस्कृति के विपरीत" है क्योंकि इसे "एक ऐसे व्यक्ति द्वारा लिखा गया था जिसकी गैर-बांग्लादेशी पृष्ठभूमि थी"। उन्होंने "प्रथम बांग्लादेश" का प्रस्ताव रखा। जिया के राष्ट्रपति पद के दौरान, राष्ट्रीय टेलीविजन और सरकारी कार्यक्रमों के दौरान "अमार सोनार बांग्ला" के बाद यह गीत बजाया जाता था। 1981 में जिया की हत्या के बाद यह बंद हो गया। यह गीत वर्तमान में जिया की बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) का "पार्टी गीत" है।

जिया की पत्नी बेगम खालिदा जिया 2002 में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री थीं जब बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के नेता मोतीउर रहमान निजामी ने "इस्लामी मूल्यों और भावना" को शामिल करने के लिए टैगोर के गीत में संशोधन करने का प्रस्ताव रखा था। हालांकि देश कि कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। बहरहाल, बांग्लादेश के संस्थापक नेता शेख मुजीब की मूर्तियाँ नष्ट कर दी गईं और पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की पुण्यतिथि मनाई गई। बहुत साफ है कि बांग्लादेश अब बदल रहा है। उस पर कठमुल्लों का असर बढ़ता जा रहा है।

अब बांग्लादेश उस पाकिस्तान के करीब आ रहा है जिसकी सेना ने ईस्ट पाकिस्तान में भयंकर कत्लेआम किया था। बांग्लादेश में 1971 में हिन्दुओं पर पाकिस्तानी सेनाओं का कहर टूटा था। उस समय खुलना, ख़ुस्तिया, इसर्दीह आदि स्थानों पर क्या नरसंहार हुआ, क्या तबाही का आलम था, एक युद्ध संवाददाता के रूप में उसका प्रत्यक्षदर्शी गवाह स्वयं मैं हूँ। न्यूयार्क टाइम्स ने अपनी 29 जून, 1971 की एक लोमहर्षक रिपोर्ट में पूर्वी पाकिस्तान के शहर फरीदपुर में सेना के आतंक की कहानी बयां की थी। पाकिस्तानी सेना ने फरीदपुर में हिंदुओं की दुकानों पर बड़े पीले रंग से 'एच' लिख दिया था जिन्हें सेना ने लूटना था। जाहिर है, 'एच' का मतलब हिन्दुओं की दुकानों से था। फरीदपुर के दस हजार हिंदुओं में से अधिकतर की हत्या कर दी गई थी और बचे-खुचे भारत में जान बचा कर चले गए थे। दरअसल 1971 में पाकिस्तानी फौजों ने फरीदपुर ही नहीं, बल्कि सारे पूर्वी बंगाल में हिन्दुओं को मारा था। पाकिस्तानी सेना पूर्वी पाकिस्तान से हिन्दुओं का नामोनिशान मिटाने पर लगी हुई थी। अब ये सवाल नहीं है कि जब भारत का बंटवारा हुआ था, उस समय पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) में हिन्दू वहां की आबादी के 30 से 35 फीसदी के बीच थे या अधिक। यह सवाल भी नहीं हैं कि क्या बांग्लादेश हिन्दू-विहीन हो जाएगा और वहां से गुरुदेव टैगोर के लिखे राष्ट्र गीत को खत्म कर दिया जाएगा?

Invitin.g Shopperr's

Design Your Dream Attire

- Couture, Clothing & Designer Fabrics
- Rental Wedding, Lehengas, & Gowns
- Exclusive Nail Art
- Designer Mehandi
- Cosmetics

B-20/11, Double Storey, Ramesh Nagar, Delhi | Mob.: 9911294429, 011-45294429

SINCE 1975
KARAN'S
VAISHNO DHABA
MOUTH WATERING CUISINES
Lunch: 11:30am to 4.00pm * Dinner: 7.00pm to 11.00 pm
Food Without Onion & Garlics On Every Navratra
Note:
Please allow extra time for delivery on Suturday, Sunday and Holiday
Rates are subject to change without prior notice
Minimum delivery time 30 min. to 45min
All the items may not be available at all the time
Home delevery charged rs. 20. - within 1km
Home Delevery
8700965740, 9871558873, 9212598873
Spl. In Outdoor Catering

S.B. Malik (Jaggu Ji)
9311906362
011-41421363
Prince Realtech & Developers
SALE
PURCHASE
RENTING
COLLABORATION
AGRICULTURE LAND
FARM LAND
RESIDENTIAL
COMMERCIAL
INDUSTRIAL
B-121AC, Mansarover Garden, New Delhi-110015

We Positive Care
We Positive Care
Chitragupt Foundation
C186 A , 4th floor hari nagar clock tower, Pincode 110064

Punnu Biriyani
M:- 093134 07108
punnubiriyani.com
Free Home Delivery
011-25119013, 41447298, 25446671
(Jhatka Used Here)
Note- For Franchise Inquiry, call- 9313407108
DDA LIG Market, Near Cambridge Foundation School, Rajouri Garden, New Delhi, Delhi 110027
Takeout / Delivery Open Closes 23:30

श्री राधे
श्री गणेशाय: नम:
श्री राधिका ज्योतिष शोध संस्थान
ज्योतिष, वास्तु अंक विद्या, हस्त रेखा व लाल किताब, पीली किताब द्वारा सभी समस्याओं का समाधान
शादी या सन्तान नही होना, नौकरी नही लगना, व्यापार नही चलना शारीरिक परेशानी या गृह कलेश रहना व अजीब घटनाओं का घटना
आपकी कुण्डली में घटित मांगलिक दोष, ग्रहण दोष व काल सर्प दोष व अन्य सभी दोषों के समाधान के लिए सम्पर्क करें।
सभी प्रकार के वैदिक अनुष्ठानों के लिए सम्पर्क करें।
Pt. S.K. Sharma, Vedic Astrolger n Healer!

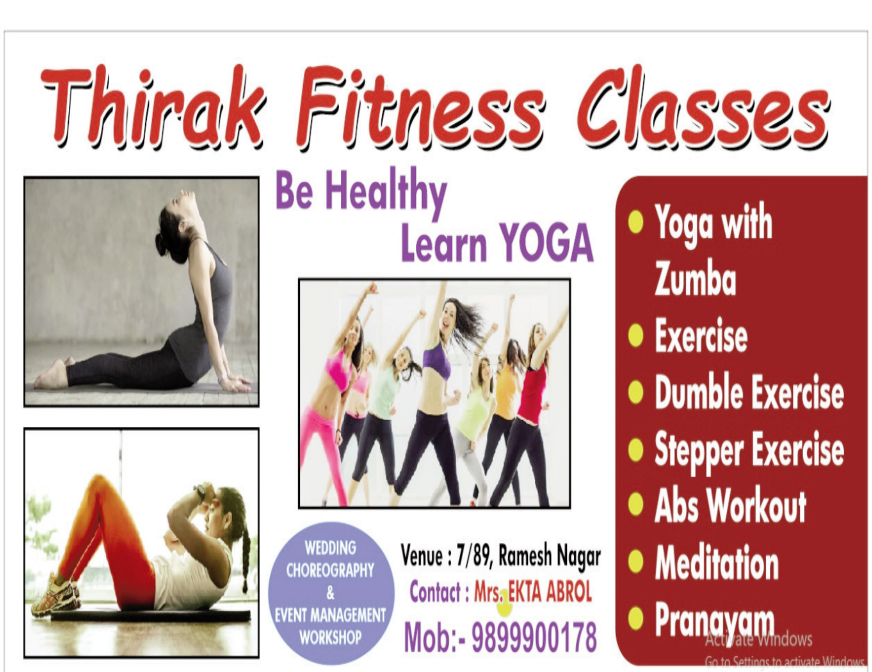
Thirak Fitness Classes
Be Healthy
Learn YOGA
Yoga with Zumba
Exercise
Dumble Exercise
Stepper Exercise
Abs Workout
Meditation
Pranayam
WEDDING CHOREOGRAPHY & EVENT MANAGEMENT WORKSHOP
Venue : 7/89, Ramesh Nagar
Contact : Mrs. EKTA ABROL
Mob:- 9899900178

फीजियोथिरेपी सेन्टर
आधुनिक मशीनों से युक्त व कुशल डॉक्टर की देख रेख में चल रहा है।
समय: प्रात 9 बजे से 12 बजे तक एवं सायं 5 बजे से 7 बजे तक
रविवार अवकाश
कीर्ति नगर श्री सनातन धर्म सभा (पंजी.)
गीता भवन, कीर्ति नगर, नई दिल्ली- 110015

कांग्रेस 23 से शुरू करेगी दिल्ली जोड़ो यात्रा

नई दिल्ली। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस ने अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करने का निर्णय लिया है। इस कड़ी में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की तर्ज पर प्रदेश कांग्रेस की ओर से दिल्ली जोड़ो यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इसकी शुरुआत 23 अक्टूबर से होगी।

इस यात्रा में कांग्रेस के प्रमुख नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की प्रमुख भागीदारी होगी। दिल्ली के मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने के लिए कांग्रेस का यह एक बड़ा दांव माना जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस ने इस यात्रा को त्योहारों के मद्देनजर चार चरणों में विभाजित किया गया है ताकि इसका आयोजन सुचारु रूप से हो सके और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक कांग्रेस अपनी बात पहुंचा सके। पहला चरण 23 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक चलेगा, दूसरा चरण चार नवंबर से 10 नवंबर तक, तीसरा चरण 12 नवंबर से 18 नवंबर तक और चौथा व अंतिम चरण 20 नवंबर से 28 नवंबर तक चलेगा।

प्रदेश कांग्रेस के अनुसार हर चरण में अलग-अलग मुद्दों पर जोर दिया जाएगा, जिनमें महंगाई, बेरोजगारी, प्रदूषण की समस्या, महिलाओं और युवाओं के अधिकार और दिल्ली की आम आदमी पार्टी और केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ कांग्रेस के आरोप प्रमुख होंगे। कांग्रेस अपनी न्याय यात्रा के जरिए यह संदेश देना चाहती है कि वह जनता की समस्याओं को लेकर गंभीर है और भाजपा व आप की नीतियों के खिलाफ एक मजबूत विकल्प है।

आप और भाजपा के मुकाबले कांग्रेस का जनाधार हाल के वर्षों में कमजोर हुआ है, लेकिन इस बार पार्टी अपने पुराने मजबूत गढ़ों को फिर से हासिल करने की रणनीति पर काम कर रही है। नेतृत्व का मानना है कि जनता भाजपा और आप की नीतियों से निराश हो चुकी है और कांग्रेस के पास अब मौका है कि वह पुराने मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करे।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व को इस अभियान की रीढ़ माना जा रहा है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने देशभर में जो असर छोड़ा है, उसे दिल्ली में भी दोहराने की योजना है। प्रियंका गांधी का सक्रिय रूप से दिल्ली की राजनीति में हस्तक्षेप भी पार्टी के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

दो कंपनियों पर जुर्माना, निर्माण स्थल पर नहीं हो रहा नियमों का पालन

नई दिल्ली। सर्दी के मौसम के शुरु होने से पहले ही दिल्ली सरकार वायु प्रदूषण को नियंत्रण करने को लेकर सख्त हो गई है। सोमवार से धूल रोधी अभियान शुरु हो गया है। इसके तहत पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आरएमएल अस्पताल और लेडी हार्डिंग्स रोड स्थित निर्माण साइट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण स्थल पर धूल नियंत्रण से संबंधित अनियमितताएं पाई गईं। ऐसे में डीपीसीसी को दोनों निर्माण कंपनियों पर 5 लाख जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। साथ ही, नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं देने पर प्रतिदिन के हिसाब से आर्थिक जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। राय ने कहा कि निर्माण स्थल पर धूल रोधी 14 नियमों को लागू करना जरूरी है। इसका उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों को निर्माण स्थल के लगातार निरीक्षण का निर्देश दिया गया है।

मलेरिया और चिकनगुनिया के मामलों में लगातार हो रही है बढ़ोतरी

नई दिल्ली। राजधानी में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है और इन बीमारियों ने अब खतरनाक रूप लेना शुरू कर दिया है। एमसीडी ने इस वर्ष पहली बार डेंगू से तीन मौतों की पुष्टि की है, जो जलजनित बीमारियों के प्रकोप को दर्शाता है। पिछले दो सप्ताह की तुलना में गत सप्ताह इन तीनों बीमारियों के मामलों में अच्छी खासी वृद्धि हुई है। विशेष रूप से डेंगू की स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है।

राजधानी में पिछले सप्ताह डेंगू के 485 नए मामले दर्ज किए गए, जिससे इस वर्ष डेंगू के कुल मामलों की संख्या 2000 के पार पहुंच गई है। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि राजधानी में डेंगू का संक्रमण तेज गति से फैल रहा है और स्वास्थ्य विभाग के लिए चुनौती बनता जा रहा है। डेंगू के मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण अस्पतालों में भीड़ बढ़ रही है और स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी दबाव पड़ रहा है। मरीजों में प्लेटलेट्स की गिरावट और बुखार के गंभीर मामलों के चलते अस्पतालों में इलाज के लिए लंबी कतारें लग रही हैं।

एमसीडी के चार जोन में गत सप्ताह डेंगू के मामले 50-50 से अधिक सामने आए है। सबसे अधिक नजफगढ़ में 69 डेंगू के मामले प्रकाश में आए। वहीं दक्षिण जोन में 67 और शाहदरा उत्तरी जोन में 65 डेंगू के मामले में दर्ज किए गए, जबकि मध्य जोन में डेंगू के 52 मामले सामने आए। डेंगू का सबसे कम प्रकोप नरेला और रोहिणी जोन में देखने को मिला। इस जोन में डेंगू के मामले 20-20 से भी कम दर्ज किए गए।

डेंगू के अलावा मलेरिया और चिकनगुनिया के मामलों में भी लगातार वृद्धि हो रही है। पिछले सप्ताह मलेरिया के 81 नए मामले सामने आए, जिससे इस वर्ष मलेरिया के कुल मामले 500 से ऊपर हो गए हैं। मलेरिया की भी बढ़ती संख्या यह दर्शाती है कि मच्छरजनित बीमारियां तेजी से फैल रही हैं और इन्हें रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही चिकनगुनिया के 14 नए मामले भी दर्ज किए गए हैं।

नवरात्रि व्रत में खास फायदे नारियल पानी के

नवरात्रि में जो लोग नौ दिन लगातार उपवास रखते हैं, उनके लिए इन दिनों नारियल पानी पीना सबसे ज्यादा फायदेमंद है। यह पवित्र है। इससे व्रत खंडित नहीं होता। सबसे बड़ी और जरूरी बात यह है कि व्रत में नारियल पानी पीने से शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिल जाते हैं, जिससे कमजोरी नहीं आती।

प्राकृतिक ताजगी देने वाला पेय

वैसे नारियल को सिर्फ व्रत के दिनों में ही नहीं बाकी दिनों में भी पीना स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह एक प्राकृतिक ताजगी देने वाला फल है। इसमें स्वास्थ्य के लिए सारे जरूरी गुणों का भंडार है। इसके गुणों की बदौलत ही यह आजकल महानगरों से लेकर छोटे शहरों और गांवों तक में जादुई पेय माना जाने लगा है। पहले आमतौर पर किसी खास मौके पर या गर्मी के दिनों में ही लोग इसका सेवन करते थे। डॉक्टर भी उल्टी और अतिसार की स्थिति में इसका पानी पीने की सलाह देते थे। लेकिन अब हर किसी को यह बात मालूम है कि नारियल पानी हर मौसम में सेहत के लिए फायदेमंद है।

सेहत के लिए लाभकारी

सेहत के लिए फायदेमंद होने के चलते ही आजकल सभी डायटीशियनों और चिकित्सकों द्वारा इसे सभी को पीने की सलाह दी जाती है। यह सेहत के लिए इसलिए भी लाभकारी है कि यह वजन घटाने में सहायक है। अन्य पेय पदार्थों की तुलना में इसमें सबसे कम कैलोरीज होती हैं। नमकीन नींबू पानी और सादे पानी की तरह यह हल्का और प्यास बुझाने के लिए उपयुक्त होता है। नारियल पानी में पोटैशियम काफी मात्रा में पाया जाता है, जो लोग ज्यादा वजन की समस्या से परेशान होते हैं, उनमें निर्जलीकरण की आशंका रहती है। क्योंकि उनके शरीर में सोडियम पानी के रूप में संगृहीत रहता है। ऐसे में पोटैशियम उनके शरीर के अतिरिक्त पानी को अवशोषित करता है। कुछ चिकित्सकों का मानना है कि नारियल पानी में शरीर के मेटाबोलिज्म के स्तर में वृद्धि करने की क्षमता होती है।

पाचन क्रिया बेहतर करने में मददगार

नारियल पानी पाचन क्रिया के लिए फायदेमंद होता है। यह जल्दी पचता है। यही वजह है किसी ऑपरेशन के बाद रोगी को ठोस भोजन देने से पहले नारियल पानी पीने की सलाह दी जाती है। इसमें इलेक्ट्रोलाइट्स, विटामिन, लवण और फ्लोराइड पर्याप्त मात्रा में होते हैं। यह गैस और सीने में जलन के रोगियों के लिए फायदेमंद होता है। उल्टी, दस्त के रोगियों को जब निर्जलीकरण हो जाता है, तब उस स्थिति में चिकित्सक उन्हें नारियल पानी पीने की सलाह देते हैं। इसमें यूरिक एसिड होता है। इसके अलावा यह कोलेस्ट्रॉल और वसा से रहित होता है।

टॉक्सिन बाहर निकालने में कारगर

नारियल पानी में शरीर से अवशोषित होने वाले विभिन्न टॉक्सिन को निकालने की क्षमता होती है। नारियल पानी गुर्दे की पथरी को शरीर से निकालने में भी सहायक साबित होता है। इसके अलावा इसे पीने से गुर्दों की कार्यप्रणाली सुचारू होती है। इसमें मौजूद इलेक्ट्रोलाइट से शरीर में मौजूद रक्तचाप का स्तर नियंत्रित होता है और यह दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है।

ऊर्जा से भरपूर स्वादिष्ट ड्रिंक

भले ही कैलोरीज कम होती हैं लेकिन इससे हमें ऊर्जा भी मिलती है और यह एक स्वादिष्ट पेय भी होता है। इसलिए व्रत में जब कुछ न खाने के कारण हमें खाने का बहुत मन होता है, उस समय नारियल का पानी हमारे मन को काबू रखने में सहायक होता है। इसमें मौजूद तत्वों से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। लेकिन जिन लोगों को गुर्दे से संबंधित कोई बीमारी हो, उन्हें व्रत में भी नारियल पानी डॉक्टर की सलाह के बाद ही पीना चाहिए।

नगरकोट की रानी जिनके बगैर अधूरे माने जाते हैं उज्जैन में देवी दर्शन

उज्जैन को सभी तीर्थों में प्रमुख और स्वर्ग से भी बढ़कर माना जाता है, क्योंकि यहां 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक दक्षिणमुखी महाकाल ज्योतिर्लिंग, 108 शक्तिपीठों में से दो गढ़ कालिका और माता हरसिद्धि का मंदिर हैं। यहां पर श्मशान, ऊषर, क्षेत्र, पीठ एवं वन- ये पांच विशेष संयोग एक ही स्थल पर उपलब्ध हैं। यह संयोग उज्जैन की महिमा को और भी अधिक गरिमामय बनाता है। सम्राट विक्रमादित्य के काल में उज्जैन के माता मंदिरों का विशेष महत्व रहा हैं। माता हरसिद्धि और गढ़कालिका का उल्लेख जहां 51 शक्तिपीठ और 18 महाशक्तिपीठ में आता है, वहीं उज्जैन की नगरकोट माता का उल्लेख स्कंद पुराण के अवंतिका खंड के अवंति क्षेत्र महात्म्य में मिलता है। स्कंद पुराण के अनुसार नौ मातृिका देवियों में से सातवीं नगरकोट माता है। नगरकोट माता का मंदिर उज्जयिनी के सप्तसागरों में से एक गोर्धन सागर के पास शहर की उत्तर-पूर्व दिशा में स्थित है।

क्यों कहा जाता है नगरकोट की रानी

नगरकोट की रानी प्राचीन उज्जयिनी के दक्षिण-पश्चिम कोने की सुरक्षा देवी हैं। हालांकि यह यह मंदिर उज्जैन शहर की उत्तर-पूर्व दिशा में स्थित है। राजा विक्रमादित्य और राजा भर्तृहरि की अनेक कथाएं इस स्थान से जुड़ी हुई हैं। यह स्थान नाथ संप्रदाय की परंपरा से जुड़ा है। और नगर के प्राचीन कच्चे परकोटे पर स्थित है। इसलिए इसे नगर कोट की रानी कहा जाता है। मंदिर में माता की मूर्ति भव्य और मनोहारी है। जो भूमि के स्तर से करीब 15 फिट नीचे विराजित है। इस मंदिर में एक काफी गहरा जलकुंड है, जो कि परमारकालीन माना जाता है। इसी कुंड के जल से ही देवी का अभिषेक पूजन किया जाता है। मंदिर में एक अन्य गुप्त कालीन मंदिर भी है, जो कि शिवपुत्र कार्तिकेय का है।

लोक मान्यताः उज्जैन में ऐसी मान्यता है कि नवरात्रि में अन्य माता मंदिरों के दर्शन नगरकोट की रानी माता के दर्शन के बगैर अधूरे माने जाते हैं। इस मंदिर मे प्रतिदिन श्रद्धालुओं का तांता लगता है। नवरात्रि में यहां सुबह से लेकर रात तक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। मंदिर में सुबह और शाम के समय भव्य आरती होती है, तो नगाड़ों, घंटियों की गूंज से वातावरण आच्छादित हो उठता है। माता के दर्शन करने से भक्तों की मनोकामना पूरी होती है। माता के दर्शन से श्रद्धालु अभिभूत हो जाते हैं।

BDS® since 1975
MATTRESS HI MATTRESS
Hush,
Serta,
Kingkoil,
Simmons
Nilkamal,
Therapedic

BDS®
Visit: 79/3, W.H.S. Kirti Nagar, Delhi - 110015
Ms. Parvinder Kaur
9560509507

'टीम इंडिया की शान सूर्यकुमार', दिल्ली पहुंचने पर लगे कप्तान के नाम के नारे

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने बांग्लादेश को पहले टी20 मैच में हरा दिया था। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है। अब दोनों टीमें दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। दूसरा मैच मंगलवार को खेला जाना है जिसके लिए टीम इंडिया यहां पहुंच गई है। राजधानी पहुंचने पर टीम इंडिया का जोरदार स्वागत हुआ और कप्तान सूर्यकुमार यादव के नाम के नारे लगे।

टी20 वर्ल्ड कप-2024 में मिली खिताबी जीत के बाद रोहित शर्मा ने इस फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था। इसके बाद सूर्यकुमार यादव को भारत की टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। सूर्यकुमार के फुलटाइम कप्तान बनने के बाद उनकी ये दूसरी सीरीज है।

ग्वालियर से लौटते समय जैसे ही टीम इंडिया दिल्ली पहुंची, सभी खिलाड़ियों का जमकर स्वागत किया गया। टीम के स्वागत में ढोल बजाए गए। जब टीम इंडिया के खिलाड़ी एक-एक कर बस में से उतर रहे थे तब ये ढोल वाले उनका नाम ले रहे थे। लेकिन जैसे ही सूर्यकुमार आए, इन सभी ने नारे लगाए, 'टीम इंडिया की शान सूर्यकुमार।' सूर्यकुमार ने इन लोगों के साथ ढोल पर जमकर डांस किया।

भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है। सीरीज के दूसरे मैच में उसकी कोशिश अपनी फॉर्म को जारी रखने की होगी। टीम इंडिया अगर ऐस कर पाती है और दूसरे मैच में भी जीत हासिल करती है तो फिर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले लेगी। हालांकि, उसके लिए ऐसा करना आसान नहीं होगा। पहले मैच में भले ही बांग्लादेश को हार मिली हो लेकिन ये टीम टी20 में कुछ भी करने का दम रखती है।

भारतीय टीम के लिए टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचने की राह कठिन

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचने की राह बेहद कठिन हो गई है। हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली भारत को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड के हाथों शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

इसके बाद टीम इंडिया ने जोरदार वापसी की और अपने अगले मुकाबले में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 6 विकेट से पटखनी दी। भारतीय टीम ने महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बेशक जिंदा जरूर रखा, लेकिन उसके अंतिम-4 में पहुंचने के समीकरण बेहद पेचीदा हैं।

भारतीय टीम को अगर सेमीफाइनल में पहुंचना है तो उसे अपने अगले दोनों मैच विशाल अंतर से जीतने की जरुरत है और इसके साथ-साथ उसे अन्य मैचों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा। इस कड़ी में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच का मुकाबला भारतीय दृष्टिकोण से अहम है।

भारत इस मुकाबले में न्यूजीलैंड का समर्थन करता हुआ नजर आएगा क्योंकि अगर कीवी टीम ऑस्ट्रेलिया को मात दे देगी तो विमेन इन ब्ल्यू के अंतिम-4 में पहुंचने की उम्मीदें मजबूत हो जाएंगी।

भारतीय टीम ने अपने पिछले मैच में पाकिस्तान को 6 विकेट से मात दी थी। मगर टीम इंडिया का नेट रन रेट निगेटिव है। ऐसा इसलिए क्योंकि उसे अपने पहले मैच में कीवी टीम से 58 रन की शिकस्त मिली थी। भारत का रन रेट -1.217 है। ऑस्ट्रेलिया का रन रेट +1.098 और न्यूजीलैंड का रन रेट +2.9 है।

ऑस्ट्रेलिया को देखते हुए भारत और न्यूजीलैंड दोनों को अपने अगले सभी मुकाबले जीतने जरूरी हैं। अगर न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया को हराया तो उसके 4 मैचों में 8 अंक हो जाएंगे। इस परिदृश्य में अगर भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराया तो हरमन ब्रिगेड के 6 अंक हो जाएंगे और वह सीधे सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी।

मयंक यादव करोड़पति बनने को तैयार, नीतीश रेड्डी भी होंगे मालामाल

नई दिल्ली। भारत के युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव रविवार को बांग्लादेश के विरुद्ध अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने के बाद आईपीएल में करोड़पति बनने के लिए तैयार हैं क्योंकि उन्हें रिटेन करने के लिए लखनऊ सुपरजायंट्स को अब न्यूनतम 11 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी।

इसी तरह सनराइजर्स हैदराबाद को भी उसी मैच में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी की सेवाओं को रिटेन करने के लिए न्यूनतम 11 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा।

हाल ही में जारी किए गए आईपीएल रिटेंशन नियमों के अनुसार, नीलामी के आयोजन से पहले कोई भी 'अनकैप्ड खिलाड़ी' (जिसने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) तीनों प्रारूपों में से किसी एक में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करता है, उसे 'कैप्ड प्लेयर' श्रेणी में पदोन्नत किया जाएगा।

मेगी नीलामी से पहले आईपीएल में पहले रिटेंशन पर 18 करोड़ रुपये, दूसरे पर 14 करोड़ रुपये और 11 करोड़ रुपये पर तीसरा रिटेंशन किया जा सकेगा। अगर कोई फ्रेंचाइजी चौथे और पांचवें रिटेंशन का विकल्प चुनती है तो उन्हें फिर से क्रमशः 18 करोड़ रुपये और 14 करोड़ रुपये देने होंगे।

टीमों के लिए रिटेंशन सूची की घोषणा करने की समय सीमा 31 अक्टूबर है लेकिन यह लगभग तय है कि लखनऊ की फ्रेंचाइजी के लिए मयंक शुरुआती तीन प्राथमिकता वाले खिलाड़ियों की सूची में होंगे।

कप्तान केएल राहुल, दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक, वेस्टइंडीज के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन और ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस ऐसे नाम हैं जिन पर टीम गंभीरता से विचार करेगी। मुख्य कोच जस्टिन लैंगर और नए सलाहकार जहीर खान निश्चित रूप से इस तेज गेंदबाज को टीम में बनाए रखना चाहेंगे।

रिटेन किए गए खिलाड़ियों की भविष्यवाणी करना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन 22 वर्षीय मयंक के बैंक खाते में धन वर्षा होना लगभग तय है। इस मामले की जानकारी रखने वाले आईपीएल के एक अंदरूनी सूत्र ने बताया, 'ऐसा कोई कारण नहीं है कि एलएसजी मयंक जैसे प्रतिभाशाली गेंदबाज को नीलामी पूल में वापस रखे। उन्होंने पिछले दो सत्रों से इस युवा खिलाड़ी पर निवेश किया है और वह निश्चित रूप से रिटेन किए गए शीर्ष तीन खिलाड़ियों में एक होंगे।'

ईरानी कप में दोहरा शतक जमाने वाले सरफराज खान को मुंबई ने किया बाहर

नई दिल्ली। मुंबई क्रिकेट टीम ने कुछ ही दिन पहले रेस्ट ऑफ इंडिया को मात देकर ईरानी कप अपने नाम किया था। टीम की इस जीत के हीरो रहे थे सरफराज खान जिन्होंने पहली पारी में दोहरा शतक जमाया था। लेकिन इसके बाद भी मुंबई ने सरफराज को रणजी ट्रॉफी के लिए टीम में जगह नहीं दी है। मुंबई क्रिकेट संघ ने रणजी ट्रॉफी के शुरुआती दो मैचों के लिए टीम का एलान कर दिया है।

मुंबई मौजूदा विजेता के तौर पर उतरेगी। अजिंक्य राहणे की कप्तानी में मुंबई ने पिछली बाये ट्रॉफी जीती थी। रहाणे की कप्तानी में ही मुंबई ने ईरानी कप जीता। इस बार भी रहाणे को कप्तानी सौंपी गई है।

शुरुआत दो मैचों के लिए मुंबई ने जब अपनी रणजी टीम का एलान किया तो इसमे सरफराज का नाम नहीं है। हालांकि, इससे सरफराज दुखी नहीं होंगे बल्कि खुश होंगे। इसका कारण है न्यूजीलैंड का भारत दौरा। न्यूजीलैंड की टीम भारत दौर पर आ रही है जहां तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। सीरीज का पहला मैच 16 अक्तूबर से शुरू हो रहा जो बेंगलुरू के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा।

वहीं मुंबई को अपना पहला रणजी मैच 11 अक्तूबर को खेलना है। जाहिर है न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच से कुछ दिन पहले टीम इंडिया होगी। ऐसे में अगर सरफराज को टीम में जगह नहीं मिली तो इसका साफ मतलब है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया का हिस्सा होंगे।

इस टीम में श्रेयस अय्यर को जगह मिली है, लेकिन देखा जाए तो ये अय्यर के लिए बुरी खबर है क्योंकि इससे साफ हो गया है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया का हिस्सा नहीं होंगे। कम से कम पहले मैच के लिए तो नहीं। आम तौर सेलेक्टर्स घरेलू सीरीज में एक या दो मैच के लिए टीम का एलान करते हैं।

मुंबई को पहला मैच 11 अक्तूबर से बड़ौदा के खिलाफ खेलना है। रणजी ट्रॉफी का दूसरा राउंड 18 अक्तूबर से शुरू हो रहा है जिसमें मुंबई का सामना महाराष्ट्र से होगा। वहीं भारत और न्यूजीलैंड का पहला टेस्ट 16 से 20 अक्तूबर के बीच खेला जाएगा। वहीं दूसरा मैच 24 अक्तूबर से शुरू होगा।

अभिनेत्री आशा नेगी ने कास्टिंग काउच को लेकर किया खुलासा

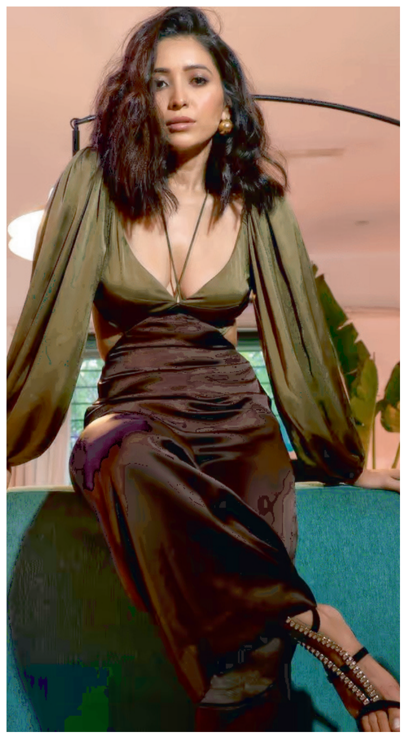

आशा नेगी ओटीटी का जाना-माना नाम बन चुकी हैं, लेकिन आशा के लिए ये सफर आसान नहीं रहा। सफलता के इस शिखर तक पहुंचने के लिए आशा को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में कई तरह की रुकावटों का भी सामना किया।

पिछले दिनों मुंज्या स्टार अभय वर्मा ने कास्टिंग काउच को लेकर खुलासा किया। इस खुलासे के बाद ये साफ हो गया कि मनोरंजन जगत में कास्टिंग काउच का शिकार सिर्फ लड़कियां ही नहीं लड़के भी होते हैं। पिछले कुछ सालों में कई हसीनाओं ने इस पर खुलकर बात की है। इसमें टीवी शो पवित्र रिश्ता से घर-घर में पहचान बनाने वालीं आशा नेगी भी शामिल हैं। उन्होंने इस बारे में बताया कि ये सब होने के बाद इंडस्ट्री में अपने पैर जमाना कितना मुश्किल था। टीवी से गायब हुईं आशा अब ओटीटी प्लेटफॉर्म में कदम रख चुकी हैं।

आशा अब टीवी पर वापस आना नहीं चाहती हैं। इसके पीछे एक कारण यह है कि है कि वह टीवी में काम करते हुए टाइपकास्ट नहीं होना चाहती। आशा इन दिनों अपनी आने वाली वेब सीरीज हनीमून फोटोग्राफर को लेकर चर्चा में है, जो 27 सितंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज हो चुकी है। आशा इस वेब सीरीज का प्रमोशन कर रही हैं। सीरीज में उन्होंने एक फोटोग्राफर की भूमिका निभाई है।

उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में अपने शुरुआती एक्सपीरियंस और कास्टिंग काउच को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि अपने करियर के शुरुआती दिनों में कास्टिंग काउच का सामना किया। उन्होंने कहा कि मैं तब करीब 20-22 साल की थी, जब मेरे साथ ये सब हुआ। उस समय पर कॉर्डिनेटर हुआ करते थे, जो हमें काम देते थे। इसी दौरान वह एक कॉर्डिनेटर से मिली, उसने उन्हें अकेले में मिलने बुलाया। आशा ने बताया कि उसने बात शुरू की और सच बोलूं तो वो अपनी बातों से मुझे रिझाने की कोशिश कर रहा था।

ननद सोहा अली के बर्थडे पर करीना ने लुटाया खूब प्यार

अभिनेत्री करीना कपूर खान ने अपनी ननद एवं एक्ट्रेस सोहा अली खान के 46वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी हैं। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कई शानदार तस्वीरें कैद की गई हैं। शेयर की गई तस्वीरों में सोहा के पति कुणाल खेमू, करीना के पति सैफ अली खान, शर्मिला टैगोर और परिवार के सभी बच्चे भी नजर आ रहे हैं। करीना ने वीडियो के बैकग्राउंड में डांसिंग इन द फ्लेम्स गाना जोड़ा है। करीना ने इस वीडियो के कैप्शन में अपनी ननद के प्रति अपने प्यार का इजहार करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। बता दें कि करीना कपूर हाल ही में फिल्म निर्माता हंसल मेहता की मिस्ट्री-थ्रिलर द बकिंघम मर्डर्स में नजर आई थीं, जिसे उन्होंने शोभा कपूर और एकता कपूर के साथ मिलकर बालाजी मोशन पिक्चर्स और महाना फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। इसके अलावा, वह रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनने वाली अजय देवगन अभिनीत सिंघम अगेन में भी नजर आएंगी। इस एक्शन-ड्रामा में अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर, जैकी श्रॉफ, दयानंद शेट्टी और आशुतोष राणा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

स्वामिधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक सुषमा शर्मा द्वारा दिव्य ऑफसेट प्रिंटर्स, बी-1422 दुर्गा मंदिर, न्यू अशोक नगर, नई दिल्ली-110096 से मुद्रित कराकर बी-5/184, रोहिणी सेक्टर-11 नई दिल्ली से प्रकाशित।
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के उत्तरदायी। RNI No. DELHIN/2013/48040, संपर्क 8826286868